

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)—848125

बुलेटिन संख्या-८८

दिनांक- मंगलवार, १५ दिसम्बर, २०२०



विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेदशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 23.6 एवं 12.4 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 94 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 71 प्रतिशत, हवा की औसत गति 4.1 कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 0.4 मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 0.0 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 18.3 एवं दोपहर में 22.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

**मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(16-20 दिसम्बर, 2020)**

- ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 16-20 दिसम्बर तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-
- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल रह सकते हैं। इस दौरान मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है। सुबह में मध्यम से घने कुहासा छा सकता है। दिन में मौसम साफ रहने की संभावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 21 से 23 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। पूर्वानुमानित अवधि में न्यूनतम तापमान में भारी गिरावट आ सकती है। यह 8-10 डिग्री सेल्सियस के बीच बने रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में पछिया हवा चलने का अनुमान है। औसतन 8-10 कि०मी० प्रति घंटा की रफतार से हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 50 प्रतिशत रहने की संभावना है।

● समसामयिक सुझाव

- अगात बोयी गई गेहूँ की फसल में पहली सिंचाई के बाद (रोपाई के 30 से 35 दिन में) कई प्रकार के खर-पतवार उग आते हैं। जिनका विकास काफी तेजी से होता है और जो गेहूँ की बढ़वार को प्रभावित करती है। इन सभी प्रकार के खरपतवारों के नियंत्रण हेतु सल्फोसल्फयुरॉन 33 ग्राम प्रति हेक्टर एवं मेटसल्फयुरॉन 20 ग्राम प्रति हेक्टर दवा 500 लीटर पानी में मिलाकर खड़ी फसल में आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- किसान भाई को सलाह दी जाती है कि गेहूँ की पिछत किस्मों की बुआई 25 दिसम्बर से पहले संमपन्न करें। इसके बाद बुआई करने पर उपज में भारी कमी होती है।
- टमाटर की फसल में फल छेदक कीट की निगरानी करें। इसके पिल्लू फल में घुसकर अन्दर से खाकर पूरी तरह फल को नष्ट कर देते हैं, जिससे प्रभावित फलों की बढ़वार रुक जाती है और वे खाने लायक नहीं रहते, पूरी फसल बरबाद हो जाती है। फल छेदक कीट से बचाव हेतु खेतों में पक्षी बसेरा लगायें। कीट का प्रकोप दिखाई देने पर सर्वप्रथम कीट से क्षतिग्रस्त फलों की तुराई कर नष्ट कर दें एवं उसके बाद स्पीनेसेड 48 ई०सी०/ 1 मि०ली० प्रति 4 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। सब्जियों वाली फसल में निकौनी करें।
- गेहूँ की पिछत किस्मों की बुआई करें। इसके लिए पी०बी०डब्लू० 373, एच०डी० 2285, एच०डी० 2643, एच०यू०डब्लू० 234, डब्लू०आर० 544, डी०बी०डब्लू० 14, एन०डब्लू० 2036, एच०डी० 2967 तथा एच०डब्लू० 2045 किस्में इस क्षेत्र के लिए अनुषसित हैं। प्रति किलोग्राम बीज को 2.5 ग्राम बेबीस्टीन की दर से पहले उपचारित करें। पुनः बीज को क्लोरपायरिफॉस 20 ई०सी० दवा का 8 मि०ली० प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बुआई के पूर्व खेत की जुताई में 40 किलोग्राम नेत्रजन, 40 किलोग्राम फॉसफोरस एवं 20 किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर डालें। जिन क्षेत्रों में फसलों में जिंक की कमी के लक्षण दिखाई देती हो वैसे क्षेत्रों के किसान खेत की अन्तिम जुताई में जिंक सल्फेट 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। छिटकबाँ विधि से बुआई के लिए प्रति हेक्टेयर 150 किलोग्राम तथा सीड ड्रिल से पंक्ति में बुआई के लिए 125 किलोग्राम बीज का व्यवहार करें। बुआई पूर्व खेतों की हल्की सिंचाई अवष्य करें ताकि बीजों का समुचित जमाव सुनिश्चित हो सके।
- लहसुन की फसल में निकाई-गुराई कर नेत्रजन उर्वरक का उपरिवेषन करें। सब्जियों में निकाई-गुड़ाई करें। कीट-व्याधी की निगरानी करें।
- प्याज के 50-55 दिनों के तैयार पौध की रोपाई करे। इसके लिए खेत को समतल कर छोटी-छोटी क्यारियाँ बनावें। क्यारियों का आकार, चौड़ाई 1.5 से 2.0 मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार 3-5 मीटर रखे। प्रत्येक दो क्यारियों के बीच जल निकासी के लिए नाले अवष्य बनावें। पंक्ति से पंक्ति की दुरी 15 से०मी०, पौध से पौध की दुरी 10 से०मी० पर रोपाई करे। खेत की तैयारी में 15 से 20 टन गोबर की खाद, 60 किलोग्राम नेत्रजन, 80 किलोग्राम फॉसफोरस, 80 किलोग्राम पोटास तथा 40 किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर का व्यवहार करें। पिछत प्याज की पौधशाला से खरपतवार निकाल कर हल्की सिंचाई करें।
- आलू की फसल में निकौनी करें। निकौनी के बाद प्रति हेक्टेयर 75 किलोग्राम नेत्रजन उर्वरक का उपरिवेषन कर आलू में मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें। आलू में कीट-व्याधी की निगरानी करें।
- अगात बोयी गई रबी मक्का की 50-55 दिनों की फसल में 50 किलोग्राम नेत्रजन का उपरिवेषन कर मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें। करें। फसल में नियमित रूप से कीट एवं रोग-व्याधी की निगरानी करें।
- दुधारु पशुओं के रख-रखाव एवं खान पान पर विशेष ध्यान दें। खाने में प्रोटीन की मात्रा बढ़ा दें। निम्न तापमान के कारण दुधारु पशुओं के दुध में आयी कमी को दूर करने के लिए नियमित रूप से दाने के साथ कैल्सियम खिलायें। पशुओं को रात में खुले स्थान पर नहीं रखें। बिछावन के लिए सुखी घास या राख का उपयोग करें।

आज का अधिकतम तापमान: 23.8 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 0.5 डिग्री कम

आज का न्यूनतम तापमान: 11.8 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 2.6 डिग्री अधिक

(डॉ० गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी